सं को वि वि (एफ बी ) पुरुषांव | 122-86 | 9453 - चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं (1) परिवहन भाषुका, हरियाणा, चण्डीगढ़, (2) महा प्रबन्धक, हरियाणा रोडवेंज, रिवाड़ी, के श्रमिक श्री प्रशोक कुमार, हैल्पर, पुत श्री मोम प्रकाश, गांव के आह बादली, जिला रोहतक तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इस में इस के बाद लिखित मामले में कोई मोद्योगिक विवाद है; ग्रोर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इस लिए, अब, औद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उप धारा (1) के खेंड (म) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों अपने अपने करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी प्रधिसूचना सं० 5415-3-अम, 68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, साथ पढ़ते हुए प्रधिसूचना सं० 11495-जी-अम-57/11245, दिनांक 7 फरेंचरी, 1958, द्वारा उक्त प्रधिनियम की धारा 7 के प्रधीन गठित अम त्यायालय, फरोदाबाद, की विवादप्रस्त था उससे सुंसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिणय ए पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उन्त प्रवन्धिकों तथा अमिक के बीच या तो विवादप्रस्त मामला है या विवाद से जुनत अथवा सम्बन्धित मामला है :---

क्या श्रा ग्रामिक कुमार, हैल्पर, की सेवा समाप्त को गई है या उसने स्वयं गैर-हाजिर हो कर नौकरी से लियत । खाया है ? इस बिन्दु पर निर्णय के फलस्वरूप वह किस राहत का हुकदार है ? क

सं ओ विव / एफ विव / गुड़गांव / 129-86 / 9461 — चुकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं ० (1) परिवहन आयुक्त, हिर्दियाणा चण्डागढ़, (2) महा प्रवत्वक, सैन्ट्रल बीडो बिल्डिंग वर्कशाय, हरियाणा रोडवेज, गुड़गांव, के श्रीमक स्भी भगवत प्रसाव, जील विव श्री राम, गांव तथा डा० फाइन्ख नगर, जिला गुड़गांव तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके वाद सिक्ति मामसे में कोई भीडोगिक विवाद है;

भौर चूकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु विदिष्ट करना वांछनीय समझते हैं 🖫 🕬 🦩

इसलिये, भव, अधिगिक विवाद मिधिनियम, 1947, की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई गक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा सरकारों मिधिसूचना सं० 5415-3-भम-68/15254, दिनांक 20 चून, 1978 के साथ पढ़ते हुए ग्रांधसूचना सं० 11495-जी-अम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी; 1958, द्वारा उन्त अमिसियम की धारा 7 के कि धीन गठित अम न्यायालय, फरोदाबाद, को विवादप्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे सिला भामला न्यायिनियं एवं पंचाद ले तीन मास म देने हेतु निदिष्ट करते हें जो कि उनत प्रवन्धकों तथा अमिक के बीच या तो विवादप्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत के अथवा सम्बन्धित मामला है :---

न्या श्री भगवत प्रसाद, हैल्पर कारपेण्टर, की सेवामों का समापन न्यायोजित तथा ठीक है? बदि नहीं, तो बह किस राहत का हकदार हु ?

सं भो विश्तानी/151-86/9485.—चूंकि इरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं (1) परिवहन मायुक्त, हिरियाणा, चण्डागढ़, (2) महा प्रवन्धक, हिरियाणा राज्य परिवहन, सानोपत, के मामक श्री राम महर, हैल्पर, पुत्र भी दीप चन्द, मार्फत श्री एस० एन० वत्स, गली डाकखाना, रोहतक तथा उसके प्रवन्धकों के बीच इसमें इसके बाद लिखित मामसे में कोई मौद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वालनीय समसते हैं ; 💎 👵

कोर चूकि द्वारमाणा के राज्यपालः विवाद को न्यामनिषय देशुं विर्दिग्दः केरना विकित्तय सवसर्व हैं। 🛧 🛧 🕹

इसलिए, यन, मोद्योदिक विवाद प्रधिनियम, 1947, की बारा 10 की परवारा (1) के बच्चे (ग) हारी प्रदेश की विदेशियों का प्रयोग करत हुये हारयाणा के राज्यपन इसके हारा वरकारी प्रविद्यना सं 3 (44) 84-3-वंगी दिनाक 18 प्रप्रेल, 1984, हारा प्रवत प्रधिनियम की बारा 7 के श्रवीच विद्या पर मायालय, प्राच्यालय, प्रविद्यादकर यो उद्योग प्रमान विद्या प्रमान की बारा 7 के श्रवीच विद्या पर मायालय, प्रमान की विद्या प्राप्त प्रवाद की विद्या प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त विद्या प्राप्त प्राप्त करते हैं बीकि उद्योग प्रमान विद्या प्राप्त विद्या विद्या प्राप्त करते हैं विद्या प्राप्त के विद्या प्राप्त विद्या प्राप्त विद्या प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्रमान की विद्या प्राप्त की विद्या प्राप्त प्राप

क्या श्रा राज कुमार की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं तो वह किस राहत का हकवार है?